

(ग) क्या यह सच है कि गेहूँ की प्रति हेक्टेयर उपज को बढ़ाने की भी काफी गुंजाइश है;

(घ) यदि हां, तो इस समय देश में राष्ट्रीय स्तर पर गेहूँ की औसत उत्पादन दर कितनी है; और

(ङ) देश के विभिन्न क्षेत्रों में प्रति हेक्टेयर अधिकतम और न्यूनतम उत्पादन दर कितनी-कितनी है?

कृषि मंत्री (श्री चतुर्गुप्त मिश्र): (क) और (ख) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने गेहूँ की खेती के लिए क्षेत्र बढ़ाने हेतु कोई खास सिफारिश नहीं की है। फिर भी, देश में गेहूँ का अधिक उत्पादन बढ़ाने के लिए सुधरी प्रौद्योगिकी अपनाकर गेहूँ की प्रति-यूनिट उत्पादकता को बढ़ाने के सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

(ग) और (घ) जी, हां। देशभर में किसानों के खेतों में किए गए गेहूँ के प्रथम श्रेणी के प्रदर्शनों से जो परिणाम प्राप्त हुए हैं उनसे पता चला है कि सभी क्षेत्रों में गेहूँ की प्रति हेक्टेयर पैदावार बढ़ाने की काफी संभावनाएँ हैं। ऐसा अनुमान है कि नवीनतम किस्में तथा अनुशासित फसल उत्पादन/सुरक्षा प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके मौजूदा राष्ट्रीय औसत पैदावार को करीब 2.5 टन प्रति हेक्टेयर से बढ़ाकर 3.5 टन प्रति हेक्टेयर किया जा सकता है।

(ङ) प्रथम पंक्ति के प्रदर्शनों के परिणामों से यह ज्ञात हुआ है कि विभिन्न क्षेत्रों के लिए अधिकतम प्राप्त किये जाने योग्य उपज निम्नलिखित है:-

	अधिकतम पैदावार (टन प्रति हेक्टेयर)	वर्तमान राष्ट्रीय औसत उपज (टन प्रति हेक्टेयर)
पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश	6.2	3.5
पूर्वी उ०प्र०, बिहार, पश्चिम बंगाल तथा अन्य पूर्वी राज्य	5.5	2.4
मध्य प्रदेश तथा गुजरात	5.0	1.9
महाराष्ट्र तथा कर्नाटक	4.5	1.4

Functioning of Lalit Kala and Sangeet Natak Akademies

856. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) the existing role of Government in the

functioning of the Lalit Kala and Sangeet Natak Akademies and in the setting up of the General Councils and Executive Boards of these bodies;

(b) whether with the present control of Government on these institutions, their functioning is non-partisan, free from self interest and career boosters for the celebrity artists; and

(c) the mechanism proposed to be devised by Government which is more transparent and boosts their functioning keeping with the time?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI S.R. BOMMADI): (a) Lalit Kala and Sangeet Natak Akademi are autonomous bodies set up by the Government of India in accordance with their Memoranda of Association. The Government of India has its representatives in the General Council and Executive Board of these Akademies.

(b) Akademies have been set up as national centre of excellence in the field of various arts and to promote and foster cultural contacts in the country as also with other countries, to promote research and to encourage exchange of ideas and enrichment of techniques between various regions and they have been working towards realisation of these objectives. To improve their functioning, Government appointed a high powered committee headed by Shri P.N. Hakser, which has submitted its report and recommendation for making their functioning better and result-oriented. One recommendation of the committee relate to restructuring of the General Council of Lalit Kala Akademi to make it non-partisan and free from self interest. The Government is in constant dialogue with Akademies on this issue.

(c) With implementation of Hakser committee recommendations, their functioning is expected to improve.

Revision of Non-formal Education programme

857. DR. (SHRIMATI) BHARATI RAY: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the non-formal education programme in many parts of the